समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)

अंक – 14
वर्ष - 2022
(जुलाई - सितंबर)

समाचार पत्र के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- आमंत्रित व्याख्यान
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार एवं आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक)
ई-मेल: social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

समाचार पत्र
राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में, सितंबर 29, 2022 को श्री ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा 'कार्यालय में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांश' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यशाला में भाग लिया ।

'नई पेंशन योजना ' कार्यशाला

संस्थान में, सितंबर 22, 2022 को श्री भवानी सिंह, उत्पाद प्रबंधक, एनएसडीएल, मुंबई के द्वारा 'नई पेंशन योजना (एनपीएस)' पर जानकारी का प्रसार करने और इस योजना के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा

- संस्थान में सितम्बर 14-29, 2022 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । इस संबंध में परिपत्र द्वारा सभी कर्मचारी सदस्यों, छात्रों एवं शोधकर्ताओं को एकजुट होकर सभी संस्थागत कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग एवं विकास सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया ।
- 14 सितम्बर 2022 को श्री राजीव गौबा , मंत्रिमंडल सचिव , भारत सरकार के द्वारा प्रेषित संदेश को निदेशक , रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों के समक्ष पढ़ा गया ।
- हिंदी पखवाड़ा के दौरान संस्थान में सितंबर 27, 2022 को हिंदी काव्य पाठ, हिंदी निबंध, हिंदी सुलेख, एवं हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

स्वतंत्रता दिवस 2022

76 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. शुभ्रा चक्रवर्ती (निदेशक, एनआईपीजीआर), द्वारा संस्थान में ध्वजारोहण किया गया।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

संस्थान को वर्ष 2021-22 के राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हेतु 'क' क्षेत्र में बोर्ड/ स्वायत्त निकाय/ट्रस्ट/सोसाइटी की श्रेणी में, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर सूरत, गुजरात में तृतीय पुरस्कार (राजभाषा कीर्ति पुरस्कार) से सम्मानित किया गया।

सुश्री जयश्री रुबीना दास, (पीएचडी छात्रा) को आईआईएम जम्मू द्वारा 5 से 7 सितंबर 2022 दौरान श्रीनगर में आयोजित 'रीसेंट ट्रेंड्स इन प्लांट बायोलॉजी' सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक सत्र में 'HSFA7 और Sly-MIR4200: HSFB4a मॉड्यूलेट हाई-टेम्परेचर टॉलरेंस इन कल्टिवेर-बायस्ड मेनर इन टोमेटो ' विषय पर उनके व्याख्यान के लिए, सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

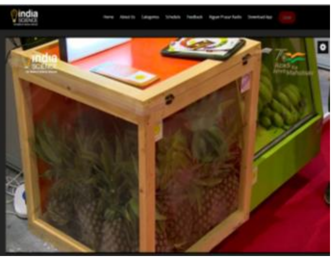

इंडिया साइंस 'इंडिया साइंस नेशनल चैनल' ने डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती के इनोवेशन और स्टार्टअप के बारे में साक्षात्कार प्रसारित किया। साक्षात्कार के दौरान डॉ. कपुगंती ने स्टार्टअप के शेल्फ-लाइफ बढ़ाने वाले उत्पादों और फलों की कटाई के बाद की शेल्फ-लाइफ को बढ़ाने के लिए उनके संभावित अनुप्रयोग के बारे में बताया। यह साक्षात्कार का लिंक है:

https://www.indiascience.in/videos/new-fruvetech-e-1

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

INDIA @ 75

CII
Confederation of Indian Industry

Pinky Agarwal, PhD

Scientist V, National Institute of Plant Genome Research, New Delhi

Pinky Agarwal's research aims to elucidate the molecular networks controlling various aspects of the rice grain during its development to improve rice crop.

My parents have always encouraged me to pursue an independent career in my field of interest. Being a doctor's daughter, biology always fascinated me. My teachers at Gargi College introduced me to biotechnology and my teachers at the Department of Plant Molecular Biology, University of Delhi South Campus ensured that I got fascinated by the subject. My spouse Rachin and my brother Gautam have always supported me and celebrated my success and stood by me in times of need.

A research paper of one of my first PhD students came in for review when I was expecting and in my third trimester. I put in all my time and effort to the same and submitted the review just a week before my delivery. The paper, however, was sent to a different set of reviewers by the editor, who did not seem to be experts in the field and had a completely different perspective. This did not discourage me and I submitted the same paper to a better journal, where it got accepted with minimal changes by reviewers. The icing on the cake was that the paper was much lauded by the scientific community. I also have some very encouraging colleagues who are always ready for scientific discussions and suggestions.

A leader is respected only when one can step up and become a role model and display skills that they expect to see in others.

My research work is on rice improvement. Rice is a staple food crop and grain size is the most important parameter contributing to its yield. The rice grain is carbohydrate-rich, and has a few micronutrients, but is also a source of dietary protein.

The research in my laboratory aims to elucidate the molecular networks controlling these aspects of rice grain during its development to improve rice crop. Recent work done in my laboratory has led to the identification of a seed-specific transcription factor controlling multiple aspects of rice grain development, including amylopectin and seed storage protein biosynthesis. We have also identified an E3 ubiquitin ligase involved in increasing grain size in indica rice.

It is a blessing to work at an Institute where both genders get equal opportunities. Yet, the glass ceiling does exist in the minds of people and is difficult to break. Trends are changing with an increased focus on working women from various decision-making bodies and that is heartening to see.

A leader is respected only when one can step up and become a role model and display skills that they expect to see in others. A leader has to not only be sincere and hardworking but also empathetic towards her co-workers and subordinates. She has to exhibit a balance of authority and friendliness as required. Stay persistent even when it gets tough, because the satisfaction obtained from being able to complete experiments, publish papers and guide others to build a career is unmatched.

I would recommend flexible timings, work-from-home options and part-time jobs to attract more women into STEM careers. STEM can be made interesting with hands-on experience rather than rote learning. An actual lab exposure to students through a short training can help them visualise concepts better.

- Stay persistent even when it gets tough
- Flexible timings, work-from-home options and part-time jobs to attract more women into STEM careers
- Exhibit a balance of authority and friendliness as a leader

Academic Profile
- BSc (Hons) Botany, Gargi College, University of Delhi (DU)
- MSc & PhD in Plant Molecular Biology, DU

Awards & Fellowships
- INSA Young Scientist's Award
- Women Excellence Award, Science and Research Engineering Board
- EMBO Research Leadership Course Selection, DBT India Alliance.
- Memberships
- Organisation for Women in Science for the Developing World
- Indian Science Congress Association
- American Society of Plant Biologists

Women in STEM: Vanguards of India@75 66

डॉ. पिंकी अग्रवाल (वैज्ञानिक, डीबीटी-एनआईपीजीआर) को "वीमेन इन एसटीईएम: वैनगार्ड्स ऑफ इंडिया@75" पुस्तक में सूचीबद्ध किया गया है। सूची में एसटीईएम में 125 भारतीय महिलाएं शामिल हैं और इसे डीएसटी द्वारा समर्थित सीआईआई द्वारा संकलित किया गया है। भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 22 जुलाई, 2022 को भारत सरकार के पीएसए प्रो. अजय सूद द्वारा पुस्तक का विमोचन किया गया।

सुश्री श्रुति मिश्रा (पीएच.डी. छात्रा) को 11-13 जुलाई, 2022 के दौरान मिलान, इटली में आयोजित प्लांट कैल्शियम सिग्नलिंग सम्मेलन में "सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

आमंत्रित व्याख्यान

1. डॉ. श्री राम यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी-रुड़की ने "स्पीशीज -स्पेसिफिक फंक्शन ऑफ़ कंज़र्वेड सेल फेट डेटर्मिनेन्ट्स इन ओर्चेस्त्रटिंग राइस रुट आर्किटेक्चर " विषय पर जुलाई 07, 2022 को एक व्याख्यान दिया।
2. हिंदी पखवाड़ा के दौरान सितंबर 26, 2022 को डॉ. केतकी, बापट, सलाहकार/वैज्ञानिक 'जी' प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. सुश्री नम्रता सिंह (पीएच.डी. छात्रा) को "द रोल ऑफ़ सीरीन हाइड्रोक्सीमिथाइलट्रांसफरेज7 (एसएचएमटी7) एन्ड ग्लाइसिन डीकार्बाक्सिलेज (जीडीसी) इन प्लांट रिस्पांस टू बायोटिक एन्ड एबायोटिक स्ट्रेस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से सितंबर 29, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ जगदीस गुप्ता कापुगंती (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
2. सुश्री सीटू (पीएच.डी. छात्रा) को "आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ की कंपोनेंट्स एंड रेगुलेटरी पाथवेज़ ऑफ़ दी बायोफिजिकल कार्बन कंसन्तट्रेटिंग मैकेनिज्म इन क्लामैडोमोनास रेंहार्ड्टी" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 30, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ गीतांजलि यादव (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
3. सुश्री कीर्ति (पीएच.डी. छात्रा) को "इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ द रोल ऑफ़ मिटोजेन एक्टिवेटिड प्रोटीन काइनेज इन रेगुलेटिंग आर्गोनट प्रोटीन्स ड्यूरिंग स्माल आरएनए डिपेंडेंट जीन रेगुलेशन" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 18, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
4. सुश्री ललिता पाल (पीएच.डी. छात्रा) को "रोल ऑफ़ द जीन्स इन्वोल्वड इन द डेवलपमेंट ऑफ़ फ्लावर एंड सीड कोट कलर इन चिकपी (सिसर अरिएटिनम एल.)" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 16, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ देबाशीष चट्टोपाध्याय (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
5. सुश्री पूजा सिंह (पीएच.डी. छात्रा) को "द रोल ऑफ़ सेरिने ह्य्द्रोज़ीमिलट्रांस्फर6 (एसएचएम्टी 6) इन प्लांट रिस्पांस टु बायोटिक स्ट्रेस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 02, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ जगदीस गुप्ता कापुगंती (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
6. श्री रामगोपाल प्रजापति (पीएच.डी. छात्र) को "आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ कैल्शियम रेगुलेटेड प्लांट डिफेन्स स्ट्रेटेजीस अपॉन स्पोडोप्तेरा लितुरा हेर्बिवोरी इन अरबिडोप्सिस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जुलाई 27, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ डॉ ज्योतिलक्ष्मी वदासरी (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
7. सुश्री लक्ष्मी (पीएच.डी. छात्रा) को "जेनेटिक डिससेक्शन ऑफ़ काम्प्लेक्स प्लांट आर्किटेक्चर एंड यील्ड कॉम्पोनेन्ट ट्रेट्स इन चिकपी" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जुलाई 27, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

विज्ञान संचार एवं आउटरीच

एसईआरबी परियोजना शीर्षक "जीनोम-वाइड आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ फ्यूज़न इवेंट इन डिफरेंट प्लांट स्पीशीज" के वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) गतिविधि के तहत डॉ. शैलेश कुमार ने अगस्त 05, 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों के लिए 'रोल ऑफ़ नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग डेटासेट इन जीनोमिक्स रिसर्च' पर व्याख्यान दिया।